Wednesday September 9, 2026 | Issue 8 Vol 17 | 8 pages | www.fiji.gov.fj

फीजी दर्पण





राष्ट्रपति महामहीम रातू नईगामा लालाबलावू तथा प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका सरकारी भवन पर संविधानिक समीक्षा कमिशन की रिपोट तथा सिफारिशों को स्वीकार करते हुए - चित्र: प्रदान किया गया

अपने धर्म का पालन करने का अधिकार सभी के पास होना चाहिए - प्रधानमंत्री

रोनल देव

प्रधान मंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका ने सभी फीजिवासियों से माँग की है कि वे धीरज रखें जबकि संविधानिक समीक्षा कमिशन की रिपोर्ट तथा सिफारिशों को राष्ट्रपति महामहीम रातू नईगामा लालाबलावू को सौपा गया है। कमिशन ने अपना काम पूरा कर लिया है तथा सिफारिशों को प्रस्तुत किया है। प्रधान मंत्री ने ज़ोर दिया है कि रिपोट में सिर्फ सिफारिशें है, ये सरकार के फैसलें नहीं है। यह तय करने से पहले मंत्रीमण्डल अब प्रस्तावों पर ध्यान से विचार करेगी। प्रधान मंत्री ने कहा कि उन्हें पता है कि फीजी को एक धर्मनिरपेक्ष देश यानि सेकुला स्टेट का दर्जा देने की सिफारिश को लेकर खास चिंता है। उनके अनुसार सभी जानते है कि वो इसाई धर्म को मानते है। 'लेकिन मैंने पहले भी कहा है कि सिर्फ फीजी को इसाई देश घोषित करने से हम इसाई नहीं बन जाते। इसाई धर्म हमारे जीने के तरीके में दिखना चाहिए – विनम्रता, दया, करूणा, कड़ी मेहनत, सेवा और एक दूसरे के प्रति प्यार के ज़रिए। ये मेरी राय है," प्रधानमंत्री ने कहा। 'हमारे हिन्दू, मुस्लिम, सिख और अन्य भाई बहनों को कभी ऐसा नहीं लगना चाहिए कि फीजी में उनके धर्म, आज़ादी या जगह को कोई खतरा है। वे हमारे देश का अहम हिस्सा है, और आज़ादी से अपने धर्म का पालन करने के उनके अधिकार का हमेशा सम्मान और बचाव किया जाना चाहिए। प्रधान मंत्री ने अपने साथी राजनीतिक नेताओं से भी माँग की है कि वे अपनी बातों को लेकर ज़िम्मेदार बनें।

'हम बिना किसी अहम राष्ट्रीय चर्चा को राजनीतिक नस्लीय या धार्मिक लड़ाई के, इन सिफारिशों पर अलग-अलग राय रख सकते हैं।"

"मुझे चिंता है कि कुछ टिप्पणियाँ, जिनमें गुमनाम अकाउंट और ओनलाइन ट्रोल की बातें भी शामिल हैं, पहले से ही गुस्सा, डर और घबराहट पैदा करने की कोशिश कर रही है। कृपया गलत जानकारी या भड़काउ बातों को हमारे बीच विभाझन पैदा न करने दें।"

मंत्रीमण्डल सिफारिशों पर ध्यान से विचार करेगी। हो सकता है कि कुछ सिफारिशों का हम समर्थन करें, कुछ का न करें तथा कुछ पर और विचार करने की ज़रूरत हो। फिलहाल, कमिशन का काम पूरा होने के बाद अब संविधान समीक्षा कमिशन की रिपोट, सरकार की उचित प्रकियाओं से गुज़रेंगे। अगले चरण में, प्रधान मंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका, विचार-विमर्श के लिए इस रिपोट को मंत्रीमण्डल में पेश करेंगे, जिसके बाद रिपोट को उचित संवैधानिक और सरकारी प्रकियाओं के अनुसार संसद में भेजा जाएगा।

email: news@govnet.gov.fj;
@FijiRepublic;
Fiji Government;
visit us @ www.fiji.gov.fj

फीजी, ओस्ट्रेलिया और तुवालु ने सहयोग बढ़ाया



विदेश मंत्री माननीय सकियासी दितोका, सूचना मंत्री माननीय लिंडा तम्बूया, औस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री एंथनी एल्बानीज़ पलाउ में अन्य प्रशान्तीय नेताओं के साथ एक बैठक के दौरान चित्र: प्रदान किया गया

रोनल देव

फीजी में होने वाली कोप वाली 31 सभा से पहले वाली बैठक तथा 31 कोप सभा से पहले, फीजी औस्ट्रेलिया तथा तुवालु के साथ सहयोग बढ़ा रहा है।

ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि यह पक्का किया जा सके कि विश्व स्तर पर मौसम में हो रहे बदलाव वाली चर्चाओं में प्रशान्त क्षेत्र की प्राथमिकताओं, अनुभवों और समाधानों को केन्द्र में रखा जाए।

तीनों देशों ने पलाउ में पचपनवें प्रशान्तीय नेताओं की बैठक के दौरान एक त्रिपक्षीय बैठक की। इसमें कोप की आने वाली 31 सभा जो फीजी में होगी से पहले वाली बैठक और तुवालु में होने वाले लीर्डस सेगमेंट की तैयारियों पर ध्यान दिया गया।

फीजी के विदेश मंत्री माननीय सकियासी दितोका ने कहा कि कोप 31 अहम क्षेत्रिए प्राथमिकताओं पर आम सहमति बनाने का एक अहम मौका है।

इसका मकसद है प्रशान्त क्षेत्र के ज़मीनी अनुभवों को विश्व मौसम चर्चाओं के केंद्र में लाना, इसे मज़बूत करना, और यह पक्का करना कि प्रशान्तीय क्षेत्र की आवाज़, प्राथमिकताओं और समाधानों को वैश्विक फैसले लेने की प्रक्रिया में केंद्र में रखा जाए।"

औस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने कहा कि इस बैठक से प्रशान्त क्षेत्र की प्राथमिकताओं पर चर्चा करने और विश्व नेताओं को इस क्षेत्र में लाकर मौसम में हो रहे बदलाव के असर को खुद देखने का मौका मिला। प्रधानमंत्री अल्बानीज़ ने कहा कि मौसम में हो रहे बदलाव, प्रशांत देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है, जिसमें तुवालु जैसे देशों के अस्तित्व पर भी खतरा है।

तुवालु के प्रधानमंत्री फेलेती तेओ ने लीडर्स सेगमेंट की मेज़बानी करने के मौके का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि इससे आने वाले नेताओं को मौसम में हो रहे बदलाव, खासकर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से देश पर पड़ने वाले असर को खुद देखने का मौका मिलेगा।

"यह उन नेताओं के लिए एक मौका है जो तुवालु जाएंगे, ताकि वे खुद देख सकें कि मौसम में हो रहे बदलाव, खासकर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से हम कितने नाज़ुक स्थिति में है और हम इससे निपटने के लिए क्या उपाय कर रहे है," प्रधानमंत्री ने कहा।

"हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठे है। हमने सहयोगियों की मदद से अपनी क्षमता और मज़बूती बढ़ाने की कोशिश की है।"

फीजी पाँच से आठ अक्टूबर तक नान्दी में मुख्य कोप वाली 31 सभा से पहले वाली बैठक की मेज़बानी करेगा, जबकि तुवालु लीडर्स सेगमेंट की मेज़बानी करेगा।

फीजी सरकार का प्रतिनिधीमण्डल, पलाउ में पचपनवें फोरम बैठक में शामिल हुआ



विदेश मंत्री माननीय सकियासी दितोका, सूचना मंत्री माननीय लिंडा तम्बूया, पलाउ में एक सभा के दौरान

रोनल देव

फीजी कोरोर पलाउ में प्रशान्तीय नेताओं की पचपनवे बैठक में शामिल हुआ है। इस बैठक का मकसद है एक समान की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाना और क्षेत्रिए सहयोग को मज़बूत करने के लिए पूरे क्षेत्र को एकजुट करना।

विदेश मंत्री माननीय सकियासी दितोका, ने इस बैठक में फीजी प्रतिनिधीमण्डल की अगुवाई की साथही उन्होंने महत्वपूर्ण क्षेत्रिए विषयों और मिलकर काम करने के मौकों पर होने वाली चर्चाओं में देश का प्रतिनिधित्व भी किया। पकाउ नेशनल जिम्नेज़ियम में औपचारिक उद्घाटन के लिए कई सौ की संख्या में लोग जमा हुए, जहाँ पारंपरिक प्रस्तुतियों और समारोहों के ज़रिए प्रशान्त क्षेत्र की एकता, संस्कृति और एक तरह की पहचान को दिखाया गया। इस साल की बैठक मुख्य रूप से अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण: जीवन, कार्रवाई तथा एकता पर आधारित रहा। यह विषय मज़बूत अर्थव्यवस्थाओं पर ध्यान केंद्रित करती है और साथही प्रशान्त क्षेत्र के लोगों, संस्कृति और ब्लू पैसिफिंक को क्षेत्रीय विकास केन्द्र में रखती है।

फीजी के प्रतिनिधीमण्डल के प्रमुख के तौर पर, माननीय दितोका ने उन चर्चाओं में हिस्सा लिया जिनका मकसद सामूहिक क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाना और साझा महत्व के विषयों पर प्रशान्त क्षेत्र की आवाज़ को मज़बूत करना है।

फीजी लम्बे समय की उर्जा सुरक्षा और मजबूती पर ध्यान दे रहा है - रोज़गार मंत्री अग्नि देव सिंह



रोज़गार, उत्पादकता तथा कार्यस्थल संबंधी मंत्री माननीय अग्नि देव सिंह पलाउ में एक सभा के दौरान बोलते हुए

रोनल देव

फीजी विश्व स्तर पर उर्जा यानि एनर्जी संकट से जुड़ी गतिविधियों पर नज़र रखेगा और व्यावहारिक तथा लक्षित मदद सुनिश्चित करने के लिए प्राइवेटड सेक्टर तथा नागरिक समाज संगठनों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार रहेगा।

रोज़गार, उत्पादकता तथा कार्यस्थल संबंधी मंत्री माननीय अग्नि देव सिंह ने पलाउ में प्रशान्तीय नेताओं की पचपनवी बैठक में पाइवेट सेक्टर तथा नागरिक समाज संगठनों के साथ नेताओं की बातचीत के दौरान यह बयान दिया।

उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व के संघर्ष ने विश्व उथल-पुथल के प्रति छोटे द्वीपीय देशों की अर्थव्यवस्थाओं की कमज़ोरी पर प्रकाश डाला है; फियूल के दाम उपर जाने से फीजी में बुनियादी सामान और सेवाओं का खर्च बढ़ गया है तथा कमज़ोर समुदायों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है।

माननीय सिंह ने ज़ोर दिया कि उर्जा संकट के प्रति क्षेत्र की मज़बूती बढ़ाने के लिए न केवल सरकार की कार्रवाई की ज़रूरत है, बल्कि प्राइवेट सेक्टर और नागरिक समाज संगठनों की सक्रिय भागीदारी की भी ज़रूरत है।

"क्षेत्र के द्वारा बिकेतावा घोषणा को लागू करने और क्षेत्रिए प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने के साथ, आकलन से हमारे क्षेत्र में अलग-अलग प्रभाव दिखाई दिए हैं और लम्बे समय तक चलने वाली उर्जा मज़बूती की ज़रूरत को और मजबूत किया है।"

उन्होंने कहा कि फियूल की आपूर्ति में विविधता लाने, मज़बूत उर्जा बुनियादी ढाँचा बनाने और नवीकरणीय उर्जा की ओर बदलाव में तेज़ी लाने के लिए मज़बूत क्षेत्रीय सहयोग की ज़रूरत है।

रावीरावी बा के निवासियों के लिए हुई पानी की नई व्यवस्था



मल्टी एथनिक मामलों के मंत्री माननीय चरण जित सिंह रावीरावी बा के निवासियों के साथ चित्र: प्रदान किया गया

शीलता सिंह

सरकार समुदायों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विकास कार्यों को लगातार सहायता दे रही है।
इसी के तहत बा में रावीरावी बो-होल योजना का उद्घाटन किया गया। मल्टी-एथनिक मंत्रालय के ग्रान्ट कार्यक्रम के तहत रावीरावी के लोगों को इस योजना के लिए 7,800 डोलर की सहायता दी गई है।
यह सहायता रावीरावी में लम्बे समय से चली आ रही पानी की समस्या को दूर करने और परिवारों को अधिक सुरक्षित तथा भरोसेमंद पानी उपलब्ध कराने के लिए दी गई है।
इस योजना से सीधे तौर पर पाँच परिवारों, यानी लगभग पच्चीस लोगों को लाभ मिलेगा।
उन्हें पीने, खाना बनाने, कपड़े और बर्तन धोने तथा रोज़मर्रा के घरेलू कामों के लिए अब पानी आसानी से मिल सकेगा।
रावीरावी में कई वर्षों से परिवार 1984 से इस्तेमाल हो रहे बोहोल पर निर्भर थे।
समय के साथ इस बोहोल के पानी की गुणवत्ता खराब होती गई और पानी में नमक की मात्रा बढ़ गई।
इसके कारण पानी, पीने के लिए उपयुक्त नही था और लोगों के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बढ़ने लगी। खारे पानी का असर घरों में इस्तेमाल होने वाले सामान, पानी के नलों और अन्य उपकरणों पर भी पड़ रहा था।
पानी का दूसरे स्त्रोत कम होने के कारण लोगों को रोजमर्रा के कामों के लिए पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था।
नई योजना से इन समस्याओं को दूर करने में मदद मिलेगी। इससे पुराने बोहोल पर निर्भरता कम होगा और घरों के लिए पानी की उपलब्धता बेहतर होगी।
योजना के उद्घाटन के दौरान मल्टी-एथनिक मंत्री माननीय चरण जीत सिंह ने योजना में योगदान देने और इसे अपना योजना मानकर काम करने के लिए रावीरावी समाज की सराहना की।
मंत्री सिंह ने कहा कि यह योजना दिखाती है कि जब सरकार की सहायता के साथ समुदाय भी मिलकर काम करता है, तो अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।
उन्होंने कहा, "इस योजना से पता चलता है कि सरकार की सहायता और समाज की मज़बूत भागीदारी से बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। संगठनों को न केवल ग्रान्ट से लाभ मिला है, बल्कि लोगों ने इस योजना को पूरा करने में योगदान भी दिया है।"
यह योजना दिखाती है कि सरकार समाज के विकास और लोगों को जरूरी सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है।
मल्टी-एथनिक ग्रान्ट कार्यक्रम के तहत मंत्रालय पूरे फीजी में स्थानीय जरूरतों को पूरा करने वाले विकास कार्यों में सहायता दे रहा है।



फीजी में हेचआईवी के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर जोर

- फीजी में हेचआईवी के बारे में लोगों को सही जानकारी देना, गलत सोच को दूर करना और महिलाओं, बच्चों, युवाओं तथा जरूरतमंद लोगों को बिना भेदभाव के जरूरी मदद देना है।

- "यू=यू" का मतलब है कि हेचआईवी से पीड़ित व्यक्ति अगर नियमित इलाज लेता है। मंत्री सशी किरण ने कहा कि हेचआईवी के बारे में जानकारी ज्यादा से ज्याजा लोगों तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने सुवा के साथ-साथ नान्दी और लौतोका में भी लोगों तक जागरूकता पहुंचाने की जरूरत पर जोर दिया।

- महिलाओं और बच्चों पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई गई। इसमें हेचआईवी के साथ जी रहे बच्चे भी शामिल हैं। यह ज़रूरी है कि उन्हे बिना किसी शिक्षा, सरकारी सहायता और दूसरी जरूरी सेवाएं मिलें।

- बैठक में यूएनएईडस, सरकार और अन्य साझेदारों के साथ मिलकर आगे भी काम करने पर चर्चा हुई। इसका उदद्श्य हेचआईवी के बारे में लोगों की जानकारी बढ़ाना और जरूरतमंद लोगों को सही मदद और सेवाओं से जोड़ना है।

सहकारी संस्था को मिली सहायता



व्यापार मंत्री माननीय मानोआ वतुआलेवू नान्दी के निवासियों के साथ चित्र: प्रदान किया गया

शीलता सिंह

वतुआलेवु नान्दी की एक सहकारी संस्था को सरकार से चौदह हज़ार डोलर की मदद मिली हैं।
यह संस्था सत्तर साल से ज्यादा पुरानी है। इस मदद से संस्था जरूरी सामान खरीदेगी और लोगों को कार्यक्रमों और दूसरे कामों के लिए सामान किराए पर देगी।
वतुआलेवु केडिट सस्था लिमिटेड को यह पैसा सहकारी विकास कोष के तहत दिया गया है।
यह संस्था घशथण में स्थानीय किसानों ने मिलकर शुरू की थी। उस समय किसान एक-दूसरे की मदद करने के लिए साथ आए थे।
आज संस्था में सोला सदस्य हैं। इसके सबसे पुराने संस्थापक सदस्य की उम्र अब 87 साल है।
पहले वतुआलेवु के लोगों को कार्य कमों के लिए सामान लेने नान्दी शहर जाना पड़ता था। अब उन्हें जरूरी सामान स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा। नई सेवा से संस्था को भी अतिरिक्त आमदनी होगी।
उप प्रधान मंत्री माननीय मनोआ कमीकमीदा ने सहकारी संस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाएं और छोटे व्यवसाय लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की इस मदद से संस्था के सदस्यों को अतिरिक्त आमदनी कमाने और अपनी आजीविका बेहतर बनाने का मौका मिलेगा। यह मदद संस्था को आगे बढ़ने और लंबे समय तक काम करने में भी मदद करेगी।

सूवा में सत्तरवां हाएबिस्कस फेस्टिवल







सूवा में एक छोटे से सामाजिक जश्न के तौर पर शुरू होने के सत्तर साल बाद, हाएबिस्कस फेस्टिवल नए मकसद के साथ एल्बर्ट पार्क लौटा और इस फेस्टिवल ने पीढ़ियों को एक बार फिर जोड़ा। फेस्टिवल ने स्थानीय व्यापारियों के लिए अवसर पैदा किया और फीजी की सबसे पुरानी राष्ट्रीय परंपराओं में से एक के तौर पर अपनी जगह पक्की की। पिछले शनिवार पाँच सितम्बर को एल्बर्ट पार्क में सत्तरवें हाएबिस्कस फेस्टिवल के समापन पर, उप प्रधानमंत्री तथा इंडस्ट्रीस, कोमर्स तथा बिज़नेस डेवलपमेंट मंत्री माननीय मानोआ कमिकमिदा ने कहा कि यह केवल एक फेस्टिवल हफ्तें के खत्म होने का जश्न नहीं था बल्कि यह उस कहानी को आगे बढ़ाना था जो घशथध में सूवा जेसीज़ द्वारा आयोजित पहले हाएबिस्कस फेस्विल से ही फीजी के लोगों की पीढ़ियों से जुड़ी हुई है।

बारह साल बाद एल्बर्ट पार्क में फेस्टिवल की वापसी के साथ वह इतिहास फिर से जीवित हो उठा। माननीय कमिकमिदा ने कहा कि पूरे हफ्ते फीजी के लोगों ने इस जगह से जुड़ी अपनी यादें ताज़ा की।

एफ.एम.एफ मिस हाएबिस्कस 2026 का ताज – मिस एम.हईच.सी.सी तथा कापेन्टस टावा साला कोरोसाया को पहनाया गया है। मिस हाएबिस्कस तथा अन्य विजेताओं को बधाईयाँ दी गई। यह एक एतिहासिक पल था, एक नया अध्याय तथा नई रानी की ताजपोशी हुई है।





वोडाफोन फेस्टिवल ओफ दी फ्रेंडली नोर्थ में "मिस फ्रेंडली नोर्थ 2026 का ताज पहनने वाली लम्बासा डिविज़नल अस्पताल की इसाबेला रेड्डिवा को दिल से बधाई और गर्व है। यह सिर्फ एक ताज नहीं है – यह पूरे लम्बासा डिविजनल अस्पताल परिवार के लिए गर्व, लगन और एकता का पल है। लम्बासा डिविजनल अस्पताल ने लगातार तीन सालों तक "मिस फ्रेंडली नोर्थ क्वीन"दी है।

खेलकूद एकता और मजबूत समाज बनाता है – खेलकूद मंत्री







खेलकूद मंत्री माननीय चेसे सउकुरू ने एक्सट्रा बेटल ओफ दी जाईन्ट्स टुनामेन्ट का औपचारिक उद्घाटन करते हुए, सभी खिलाड़ियों, टीमों, अधिकारियों तथा सोका प्रेमियों से माँग की है कि वे इस मंच का उपयोग करते हुए मजबूत समाज तथा फीजी में एकता मज़बूत करने का प्रयास करें। मंत्री सउकुरू ने कहा कि फुटबोल सिर्फ एक मुकाबले से कहीं ज़्यादा है, यह खेल लोगों को साथ लाता है, युवकों के लिए अवसर पैदा करता है और ऐसी दोस्ती बनाता है जो फुटबोल के मैदान से आगे तक बनी रहती है।

"हम सिर्फ फुटबोल का जश्न नहीं मना रहे हैं, हम उस जुनून, हुनर, दृढ़ संकल्प और सामुदायिक भावना का जश्न मना रहे हैं जो फुटबोल हमारे लोगों के बीच लाता है।" मंत्री सउकुरू ने भाग लेने वाली सभी टीमों को चुनौती दी है कि वे अनुशासन, सम्मान और ईमानदारी बनाए रखे। इसके अलावा मंत्री सउकुरू ने खिलाड़ियों और सोका प्रेमियों को याद दिलाया है कि भले ही स्कोरबोर्ड मैच के विजेता का फैसला करता है, लेकिन मैदान के अन्दर और बाहर उनका व्यवहार उनके चरित्र को दर्शाता है।

सवेनी लौतोका में समुद्री तट बचाने के लिए मैंग्रोव के तीन सौ पौधे बोए गए







सवेनी बीच पर मैंग्रोव के तीन सौ पौधे लगाने से फीजी के तटीय वातावरण को बचाने की कोशिशों को बढ़ावा मिला। युनिवर्सिटी ओफ फीजी के कर्मचारियों ने मैंग्रोव लगाने से जुड़े एक कम्युनिटी सेमिनार में हिस्सा लिया जिसमें वातावरण के प्रति जागरूकता और संरक्षण के व्यावहारिक काम को साथ लाया गया। इस पहल से लोगों को यह समझने का मौका मिला कि मैंग्रोव तटीय इलाकों को ढहने से बचाने, समुद्री जीवों को रहने की जगह देने और स्वास्थ तथा मजबूत तटीय इलाको को बनाए रखने में कितनी अहम भूमिका निभाते हैं। पौधे लगाने का यह काम दिखाता है कि कैसे वातावरण से जुड़ी शिक्षा और समाज की भागीदारी, फीजी के प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए असल काम में बदल सकती है।

नाउलुवातु कोरो को $212,000 की नई ग्रामीण पानी आपूर्ति व्यवस्था मिली

स्वच्छ पानी, बेहतर जीवन, उज्जवल भविष्य



कुल निवेश

$212,769.65
(ग्रामीण पानी कार्यक्रम)

स्थान और लाभ

पानी की नई व्यवस्था से 68 परिवारों के 328 निवासियों को सीधा लाभ।

उद्घाटन

माननीय रो फिलिपे तुईसावाउ (मंत्री– सार्वजनिक निर्माण, मौसम सेवाएं और परिवहन) द्वारा

संचालन

वोटर अथोरिटी ओफ फीजी (WAF) द्वारा मार्च 2025 से संचालित।

मुख्य तकनीकी विशेषताएं



पानी का नया बांध और स्वच्छ पर्यावरण– अनुकूल शुद्धिकरण प्रणाली बनाया गया है।



95,550 लीटर पानी रखने की क्षमता वाला एक नया फेरोसिमेंट टैंक



1.6 किलोमीटर लंबी पानी के नए पाइपलाइन और सीधे घरेलु कनेक्शन।

मुख्य संदेश

यह परियोजना केवल ढांचे के बारे में नहीं है, बल्कि लोगों के नीवन स्तर में सुधार लाने और स्वच्छ, सुरक्षित पानी की सेवा प्रदान करने का प्रयास है।



स्वच्छ पानी | स्वस्थ समुदय | बेहतर कल

क्या आपको पता है?

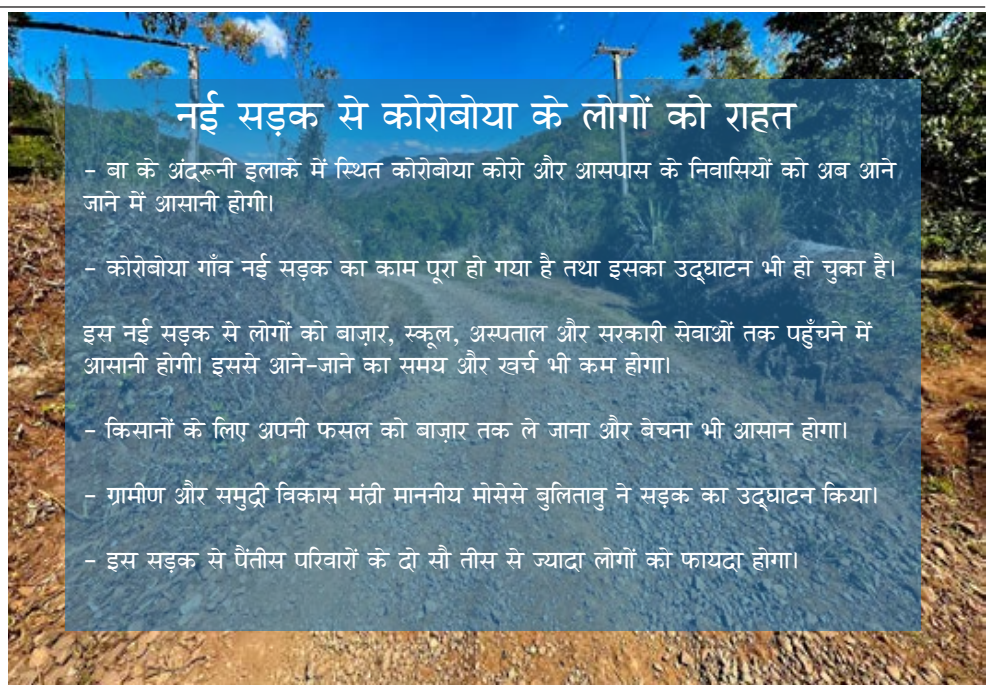
बर्ड फ्लू (Bird Flu) को फैलने से रोकने के लिए समय रहते इसका पता लगाना और इसकी जानकारी देना सबसे ज़रूरी तरीकों में से एक है।

इसीलिए, तैयारी, तालमेल और प्रतिक्रिया देने की क्षमता को मज़बूत करने के लिए कल से लेकर शुक्रवार तक सिंगातोका में एक राष्ट्रीय हपाई सिमु-लेशन अभियास आयोजित किया जाएगा।

बर्ड फ्लू इंफ्लूएंजा अई वायरस से होने वाली एक सं क्रामक वायरल बीमारी है, जो मुख्य रूप से जंगली पक्षियों और पालतू मुर्गियों को संक्रमित करती है। यह बीमारी गाय, बिल्ली या इंसानों में भी फैल सकती हैं, आमतौर पर बीमार जानवरों या दूषित वातावरण के सं पर्क में आने से।



यह कैसे फैलता है? बीमार जानवरों के संपर्क से, हवा में मौजूद धूल को साँस के साथ अन्दर लेने से।
इंसान से इंसान तक फैलना: बहुत ही दुर्लभ है।
बीमारी के लक्षण: आँखे गुलाबी रंग के होने, बुखार, खाँसी और गले में खराश, माँसपेशियों में दर्द और थकान, साँस लेने में गम्भीर समस्या या निमोनिया।
आज की तैयारी, फीजी को कल सुरक्षित रखने में मदद करती है।



नई सड़क से कोरोबोया के लोगों को राहत

- बा के अंदरूनी इलाके में स्थित कोरोबोया कोरो और आसपास के निवासियों को अब आने जाने में आसानी होगी।

- कोरोबोया गाँव नई सड़क का काम पूरा हो गया है तथा इसका उद्घाटन भी हो चुका है।

इस नई सड़क से लोगों को बाज़ार, स्कूल, अस्पताल और सरकारी सेवाओं तक पहुँचने में आसानी होगी। इससे आने-जाने का समय और खर्च भी कम होगा।

- किसानों के लिए अपनी फसल को बाज़ार तक ले जाना और बेचना भी आसान होगा।

- ग्रामीण और समुद्री विकास मंत्री माननीय मोसेसे बुलितावु ने सड़क का उद्घाटन किया।

- इस सड़क से पैंतीस परिवारों के दो सौ तीस से ज्यादा लोगों को फायदा होगा।

email: news@govnet.gov.fj;
@FijiRepublic;
Fiji Government;
visit us @ www.fiji.gov.fj
phone: 3301806

पैगंबर मोहम्म्द साहब के जन्म दिन पर प्रधान मंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका का राष्ट्र के नाम संबोधन

मेरे प्यारे फीजिवासियों,
नी सा बुला विनाका, अस्सलामु अलैकुम और आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

आज, मैं फीजी और दुनिया भर के अपने मुस्लिम भाई-बहनों के साथ मिलकर पैगम्बर मोहम्मद (उनपर शान्ति हो) के जन्म दिन का जश्न मना रहा हूँ।
फीजी सरकार और यहाँ के लोगों की ओर से, मैं इस खास मौके पर मुस्लिम समुदाय को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

पैगम्बर मोहम्मद की विरासत को सम्मान

पैगम्बर मोहम्मद का जन्म दिन सिर्फ जश्न मनाने का मौका नहीं है। यह उनके जीवन, उनके चरित्र और उन मूल्यों पर विचार करने का भी समय है जिन्हें उन्होंने सिखाया है और जिनके अनुसार वे जिए। उनके संदेश में दया, न्याय, उदारता, दूसरों के प्रति सम्मान और कमज़ोर तथा ज़रूरतमंद लोगों की देखभाल करने की ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया गया था।
ये मूल्य सिर्फ मुसलमानों के लिए ही नहीं हैं।

ये ऐसे मुल्य हैं जो अलग-अलग धर्मों, संस्कृतियों और समुदायों में भी मायने रखते हैं, और हम फीजी को जैसा देश बनाना चाहते हैं, उसके लिए ये आज भी बहुत अहम हैं।
ज्ब हम उनकी शिक्षाओं पर विचार करते हैं, तो हमें दया और सेवा के महत्व की याद आती है, जो हमारे समाजों को मजबूत बनाने और सभी के लिए एक ज़्यादा न्यायपूर्ण और मिलनसार समाज बनाने में मदद करते हैं।
उनकी शिक्षाएँ आज भी मार्गदर्शन का स्रोत बनी हुई हैं, जो सभी लोगों के बीच समझ, सेवा और शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देती हैं।

एकता और उम्मीद

इस मौके पर, आइए हम उन मूल्यों - जैसे दया, समझदारी और सेवा - पर विचार करें जो पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं के केंद्र में हैं। कई चुनौतियों का सामना कर रही इस दुनिया में, ये सिद्धांत हमें हमारी साझा इंसानियत और एक-दूसरे का ख्याल रखने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाते हैं।

हम खुशकिस्मत हैं कि हम कई धर्मों, संस्कृतियों और परम्पराओं वाले देश में रहते हैं। हम सभी धर्मों के लोगों के योगदान से समृद्ध होते है।

"एक मजबूत फीजी वह है जहाँ एक इसाई इस मौके पर अपने मुस्लिम पड़ोसी को शुभकामना दे सके; जहाँ एक मुस्लिम परिवार अपने हिन्दू पड़ोसी के साथ दिवाली की खुशियाँ मना सके; जहाँ हम अपने मूल समुदायों की परम्पराओं और मूल्यों का सम्मान करें; और जहाँ हर धर्म के लोग सम्मान और आपसी आदर के साथ मिल-जुलकर रह सकें। हमें ऐसे ही फीजी का निमार्ण और सम्मान करते रहना है। एक ऐसा फीजी जहाँ हम न केवल अपने मतभेदों को बर्दाश्त करें, बल्कि एक दूसरे का सम्मान और सराहना भी करें। एक ऐसा फीजी जहाँ कोई भी व्यक्ति अपने धर्म, जाति, भाषा या सांस्कृति के कारण खुद को कम न समझे। और एक ऐसा फीजी जहाँ हमारे बच्चे यह समझते हुए बड़े हों कि बँटवारा देश को कमजोर करता है।

इसलिए, हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम इस बात का ध्यान रखें कि जो बंधन हमें जोड़ते है, वे उन मतभेदों से ज़्यादा मजबूत रहें जो हमें अलग करते हैं।

मौलिद-उन-नबी की भावना हमें सम्मान और सद्भावना के उन बंधनों को और मज़बूत करने के लिए प्रेरित करे जो हमें जोड़ते हैं; हमें समझदारी और बातचीत को अपनाने तथा सभी के लिए शान्ति, सद्भाव और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करे।

मुस्लिम समाज के प्रति आभार

मुस्लिम समाज लम्बे समय से फीजी की राष्ट्रीय यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। पीढ़ियों से, मुस्लिम फीजिवासियों ने हमारे देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है – शिक्षा, खेती, व्यापार, विभिन्न पेशों, जन-सेवा, समाज-सेवा और समुदायिक विकास के क्षेत्रों में।

कई मुस्लिम संगठन और लोग न केवल अपने मज़हब के लोगों की, बल्कि हर समुदाय के फीजिवासियों की सेववा करते आ रहे हैं। धर्म, परिवार और सेवा के प्रति उनका समर्पण हमारे देश की भलाई और तरक्की में सार्थक और स्थायी योगदान देता रहा है। सेवा की यह भावना हमें इस मौके से मिलने वाली सबसे अहम सीखों में से एक की याद दिलाती है; कि हमारे धर्म का सबसे सार्थक इज़हार दूसरों के लिए किए गए अच्छे कामों से ही होता है।

शान्ति और सद्भाव

ऐसे समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में टकराव, बंटवारा, और अनिश्चितता बनी हुई है, पैगम्बर मुहम्मद की शिक्षाएं शान्ति, मेल-मिलाप और आपसी सम्मान के गुणों की एक सशक्त याद दिलाती हैं। पैगम्बर मुहम्मद ने अपने जीवन से अच्छे चरित्र, पड़ोसियों के प्रति दया, गरीबों के प्रति उदारता, मानवीय गरिमा के सम्मान और शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व का महत्व दिखाया। आज हमारे लिए इन सिद्धां तों का विशेष महत्व है।

फीजी को एक अलग रास्ता चुनना जारी रखना चाहिए – समझदारी, संयम और शान्ति का रास्ता, जो फीजी और हमारे व्यापक प्रशान्त क्षेत्र के लिए हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप हो; कि मतभेदों को टकराव के बजाय बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए, और शान्ति की हमेशा रक्षा और उसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। लेकिन शान्ति की शुरूआत केवल सरकारों या देशों के बीच नहीं होती। शान्ति की शुरूआत घर से होती है। इसकी शुरूआत इस बात से होती है कि हम एक-दूसरे को कैसे देखते हैं और कैसे बात करते हैं। इसकी शुरूआत इस बात से होती है कि हम अपने पड़ोसियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। इसकी शुरूआत दूसरे व्यक्ति की आस्था और संस्कृति के प्रति दिखाए जाने वाले सम्मान से होती है। इसकी शुरूआत तब होती है जब हम अपने समाज में नफरत को जगह नहीं देते।

और यह तब बढ़ती है जब हम दुश्मनी के बजाय दयालुता, शक के बजाय समझदारी और बंटवारे के बजाय एकता को चुनते हैं।

इस विशेष अवसर को मनाते हुए, आइए हम अपने समुदाय में सद्भाव को बढ़ावा देने और हमें एक लोगों के रूप में जोड़ने वाले बंधनों को मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराएं। "शान्ति के महासागर" के हमारे राष्ट्रीय दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, हम सद्भावना और सहयोग को बढ़ावा देना जारी रखें, इस बात का ध्यान रखते हुए कि शान्ति हमारे देश की स्थिरता, प्रगति और भविष्य की आकांक्षाओं की नींव बनी रहे।

मूल्य और सेवा

मौलिद-उन-नबी मनाते हुए, हमें याद दिलाया जाता है कि एक शान्तिपूर्ण और एकजुट राष्ट्र बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

सरकार की इसमें भूमिका है, धार्मिक नेताओं की भूमिका है, सामाजिक नेताओं की भूमिका है, माता-पिताओं तथा अद्यापकों की भूमिका है तथा हर नागरिक की भूमिका है। हमें नस्लीय तथा धार्मिक मतभेदों को हर जगह नकारना होगा।
हमें अपने युवाओं को सिखाना होगा कि वे उन लोगों का सम्मान करें जिनकी मान्यताएं या पृष्ठभूमि उनसे अलग हो सकती हैं।

हमें उन बातों और कामों के खिलाफ बोलने की हिम्मत दिखानी होगी जो हमें बांटने की कोशिश करते हैं। हमारे पूजा-स्थलों के नाम और परम्पराएँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन प्यार, सम्मान, सेवा और शान्ति के मूल्य हमें एकजुट कर सकते हैं और करेंगे।

इसलिए, इस खास मौके पर मैं सभी फीजिवासियों से माँग करता हूँ कि वे सोचें कि हममें से हर कोई अपने समाजों के बीच आपसी रिशतों को मज़बूत करने के लिए क्या कर सकता है।

किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करें जो मुश्किल में हो। किसी बुज़ुर्ग की देखभाल करें। किसी ऐसे व्यक्ति से संपर्क करें जो अकेला महसूस कर रहा हो। जहाँ मतभेद हुआ हो, वहाँ माफ कर दें। और जहाँ सम्भव हो, ऐसे शब्द और काम चुनें जो लोगों को एक साथ लाएं न कि उन्हें अलग करें। ये छोटे काम लग सकते है, लेकिन राष्ट्र आखिरकार अपने लोगों के रोज़मर्रा के कामों से ही बनते हैं। इन मुल्यों को अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी में अपनाकर, हम उन रिशतों को मज़बूत कर सकते हैं जो हमें जोड़ते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर और उज्जवल फीजी बनाने में मदद कर सकते हैं।

हमें यह भी समझना होगा कि 'विज़न 2050 के लक्ष्यों को पाने में हम सबकी भूमिका है, जिसमें ज़्यादा आमदनी वाला देश बनना और हर साल छः प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि बनाए रखना शामिल है। साथ मिलकर काम करके एक-दूसरे का समर्थन करके और सबकी भलाई के लिए अपनी प्रतिभा और कोशिशों का योगदान देकर, हम सभी के लिए बेहतर अवसर पैदा कर सकते हैं और एक ज़्यादा समृद्ध, मजबूत और एकजुट फीजी के अपने एक समान के सपने को साकार कर सकते हैं।

अंत में

हमारे मुस्लिम भाईयों और बहनों, जब आप प्रार्थना और चिंतन के लिए अपने परिवारों और समुदायों के साथ इक्ट्ठा होते हैं, तो यह अवसर आपके विश्वास को नया करें और आपके घरों में शान्ति, खुशी और आशीर्वाद लाए।

और सभी फीजिवासियों से, आइए हम इस राष्ट्रीय अवसर का उपयोग उन मुल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने के लिए करें जो हमें एक राष्ट्र के रूप में एक साथ बाँधते हैं। फीजी अलग-अलग समुदायों वाला देश है लेकिन हम एक फीजी और एक भविष्य बाँटते हैं।

आइए हम उस भविष्य का निर्माण एक साथ करें - करूणा के साथ, एक दूसरे के प्रति सम्मान के साथ, और शान्ति तथा एकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ।
पैगम्बर मुहम्मद की शिक्षाएं और उदाहरण शान्ति, करूणा और मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करते रहें। वे एक मजबूत और एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के हमारे सामूहिक प्रयासों को और मजबूत करें।
फीजी सरकार की ओर से, मैं फीजी और दुनिया भर में हमारे मुस्लिम भाईयों और बहनों को मिलाद-उन-नबी मुबारक। यह विशेष अवसर आपके, आपके परिवारो और आपके समुदायों के लिए शान्ति, खुशी और आशीर्वाद लाए।

ईश्वर की कृपा आप पर और हमारे प्यारे देश फीजी पर बनी रहे।

Wednesday September 9, 2026 | Issue 8 Vol 17 | 8 pages | www.fiji.gov.fj

फीजी दर्पण



नावुआ औपचारिक रूप से शहर घोषित हुआ



प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका, औपचारिक रूप से नावुआ को शहर घोषित करते हुए चित्र: प्रधानमंत्री दफ्तर

शेनल देव

नावुआ निवासियों का बरसों पुराना सपना पूरा हुआ है जब सरकार ने नावुआ को औपचारिक रूप से शहर घोषित किया है।

पचास सालों से ज़्यादा समय से नावुआ के लोग अपने शहर को अधिकारिक तौर पर एक नगरपालिका के रूप में मान्यता और विकास दिलाने की इच्छा रखते थे। नावुआ अब फीजी की चौदहवीं नगरपालिका बन गया है।

यह शहर के इतिहास में एक अहम पड़ाव है और यहाँ के निवासियों, व्यवसायों और समुदायों के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत है। प्रधानमंत्री माननीय सितिवेनी रम्बूका ने औपचारिक रूप से नावुआ को शहर घोषित करते हुए इस क्षेत्र के लोगों की सालों पुरानी वकालत, बातचीत तथा तैयारियों को मान्यता दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह घोषणा उस समुदाय के विकास को दर्शाती है जिसकी पहचान और आजीविका लम्बे समय से नावुआ नदी, खेती, व्यापार, कारोबार और सूवा तथा विति लेवु के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों के बीच लोगों की आवाजाही से जुड़ी है। नावुआ के पुराने निवासियों के लिए यह मौका इस बात पर सोचने का भी है कि शहर ने कितनी तरक्की की है।

इनमें मार्केट विक्रेता और समुदाय के सदस्य सुशील चन्द भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी अधिकतर ज़िंदगी नावुआ में बिताई है और शहर को बदलते हुए देखा है। चन्द अपने माता-पिता के साथ नावुआ में पले-बढ़े और स्कूल में पढ़ाई की, जहाँ उन्होंने फोर्म फोर तक शिक्षा पूरी की। समाज के साथ उनका जुड़ाव सिर्फ उनकी आजीविका तक ही सीमित नहीं रहा।

वे अपनी गायकी और भजन-कीर्तन में शामिल होने के लिए जाने जाते हैं और जहाँ भी हो सके, सामाजिक गतिविधियों में मदद करते रहे हैं। गायन के प्रति उनका लगाव स्कूल के दिनों से ही शुरू हुआ था और आज भी यह उनके जीवन का हिस्सा है। चन्द को आज के नावुआ से अलग एक पुराने नावुआ की भी याद है; एक ऐसा समुदाय जो समय के साथ धीरे-धीरे विकसित और बदला है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने देखा है कि नावुआ शहर में बहुत बदलाव आया है।

चन्द अब बाज़ार में सामान बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं और लोगों की मदद करने के साथ-साथ सामान बनाते और बेचते भी हैं।

उनकी कहानी उन कई निवासियों की कहानी है जिनकी रोज़मर्रा की कोशिशों ने नावुआ के विकास और पहचान को बनाने में योगदान दिया है।

"शहर का दर्जा मिलना ही सबकुछ नहीं है। इससे काउंसिल, व्यापार, समाज और निवासियों की यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वे मिलकर एक तरह से संचालित, साफ़-सुथरे, सुरक्षित और समृद्ध शहर का निर्माण करें," उन्होंने कहा।

सरकार का लक्ष्य है कि नावुआ अपनी उस रणनीतिक स्थिति का फायदा उठाए जो उसे सुवा को विति लेवू के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों से जोड़ने वाली आर्थिक मंच पर मिली हुई है। प्रधानमंत्री रम्बूका ने कहा कि नावुआ में व्यापार, सेवाओं, खेती और पूँजी लगाने के लिए एक क्षेत्रिए केंद्र बनने की क्षमता है।